



# हिमाचल प्रदेश

---

# पुलिस कांस्टेबल

हिमाचल प्रदेश पुलिस

भाग - 1

हिन्दी एवं अंग्रेजी



# HIMACHAL PRADESH CONSTABLE

## विषय सूची

### हिन्दी

1.	संधि	1
2.	समास	7
3.	उपसर्ग	11
4.	प्रत्यय	14
5.	तत्सम - तद्भव	18
6.	विदेशी एवं देशज शब्द	20
7.	संज्ञा	23
8.	सर्वनाम	25
9.	विशेषण	27
10.	क्रिया	30
11.	श्रव्य	32
12.	लिङ्ग	35
13.	वचन	40
14.	काल	45
15.	वृत्ति	47
16.	पक्ष	49
17.	वाच्य	51
18.	वाक्य	54
19.	वाक्य - शुद्धि	58
20.	शुद्ध वाक्य	61
21.	विशम चिह्न और उनके प्रयोग	68
22.	पर्यायवाची	72
23.	विलोम - शब्द	82
24.	शब्द युग्म	89
25.	श्रुनेक शब्दों के लिए एक शब्द	99
26.	मुहावरे	104
27.	लोकोक्ति	116
28.	पारिभाषिक शब्दावली	132

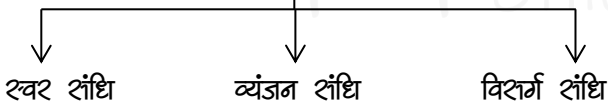
## English

1.	Part of Speech	
	• Noun	136
	• Pronoun	145
	• Adjective	153
	• Verb	158
	• Adverb	166
	• Preposition	171
	• Conjunction	177
2.	Time & Tense	181
3.	Articles	187
4.	Vocabulary	
	• Synonyms & Antonyms	191
	• Phrasal Verb	203
	• Idioms & Phrases	213
	• One Word Substitution	226
5.	Cloze Test	238
6.	Error Detection	245
7.	Sentence Improvements	247
8.	Fillers	252

## संधि

- संधि का शाब्दिक अर्थ - मेल/जोडना
- संधि का संधि विच्छेद - सम् + धि
- संधि शब्द का विलोम - विग्रह/विच्छेद  
जैसे :- जगत् + ईश - जगदीश
- संधि - दो या दो से अधिक वर्णों के मेल होने से वर्णों में विकार उत्पन्न होता है और नये सार्थक शब्द की रचना हो जाती है उन्हें संधि कहते हैं।
- संधि शदैव समान अर्थ में होती है। विरोधी अर्थों में संधि नहीं होती है।
- विश्व + अनाथ - विश्वनाथ - विश्व नाथ  
विश्व + अमित्र - विश्वामित्र - विश्व मित्र  
दीन+अनाथ - दीनानाथ - दीन नाथ  
षट् + अंग - षडंग
- संधि में शदैव वर्णों में विकार परिवर्तन उत्पन्न होना चाहिए तो संधि होती है। यदि वर्णों में विकार उत्पन्न नहीं होता है तो संधि नहीं होकर वह संयोग कहलाता है।
- अन् + उचित / अनुचित  
संयोग - निर + अर्थक / निरर्थक  
सम् + उचित / समुचित

### संधि के भेद



- स्वर संधि :- यदि स्वर के बाद स्वर आता है तो स्वर में विकार उत्पन्न हो जाता है उसे स्वर संधि कहते हैं।

### स्वर संधि के पाँच भेद :-

1. दीर्घ स्वर संधि :- ( आ, ई, ऊ )

### नियम

1. यदि अ/आ के बाद शवर्ण अ या आ आता है तो दोनों के स्थान पर दीर्घ एकादेश 'अ' हो जाता है।
2. इ या ई के बाद शवर्ण इ या ई आता है दोनों के स्थान पर दीर्घ एकादेश 'ई' हो जाता है।

- नियम 3 - यदि उ या ऊ के बाद शवर्ण उ या ऊ आता है तो दोनों के स्थान पर दीर्घ एकादेश 'ऊ' हो जाता है।
- उदाहरण - अ /आ या आ /अ

दाव + अग्नि = दावाग्नि जंगल की आग  
राम + अयन = रामायण  
पंच + आयत = पंचायत  
मुक्ता + अवली = मुक्तावली  
दीप + अवली = दीपावली

वडवा + वडव अग्नि - वडवाग्नि शमुद्र की आग  
काम + अग्नि - कामाग्नि  
जठर + अग्नि - जठराग्नि पेट की आग  
रवि + इन्द्र - रवीन्द्र  
कवि + ईश - कवीश  
नदी + ईश - नदीश  
मही + इन्द्र - महीन्द्र  
वधू + उल्लास - वधूल्लास  
चमू + उल्लास - चमूल्लास  
भानु + उदय - भानुदय  
धेनु + उत्सव - धेनुत्सव

### 2. गुण सन्धि -

- नियम 1 - यदि अ, आ के बाद इ या ई आये तो ए हो जाता है।
- नियम 2 - अ, आ के बाद उ या ऊ आता है तो दोनों के स्थान पर 'ओ' हो जाता है।
- नियम 3 - अ, आ के बाद ऋ आता है तो दोनों के स्थान पर 'ऋ' हो जाता है।

उदाहरण - महा + ईश - महेश  
महा + इन्द्र - महेंद्र  
रमा + ईश - रमेश  
गण + ईश - गणेश  
शका + ईश - शकेश  
हर्षिक + ईश - हर्षिकेश  
वसंत + उत्सव - वसंतोत्सव  
गंगा + उत्सव - गंगोत्सव  
गंगा + ऊर्मि - गंगोर्मि  
शमुद्र + ऊर्मि - शमुद्रोर्मि  
शीत + उत्सव - शीतोत्सव  
महा + ऋषि - महर्षि

### ➤ सन्धि -

- नियम 1 - अ, आ के बाद ए या ऐ आता है तो दोनों के स्थान पर 'ऐ' हो जाता है।
- नियम 2 - यदि अ, आ के बाद ओ या औ आता है तो दोनों के स्थान पर 'औ' हो जाता है।

उदाहरण - लदा + एव - लदैव  
महा + ऐश्वर्य - महैश्वर्य  
महा + श्रोज - महौज  
महा + श्रोध - महौध  
जल + श्रोध - जलौध  
महा + श्रौषधि - महौषधि  
महा + श्रौषधालय - महौषधालय  
एक + एक - एकैक  
तथा + एव - तथैव

श्रुपवाद :-

प्र + ऊढ - प्रौढ  
श्रुक्ष + अहिनी - श्रुक्षौहिनी  
स्व + ईरिणी - स्वैरिणी नदी को कहते हैं  
शुद्ध + श्रौदन - शुद्धौदन

#### 4. यण् सन्धि

नियम 1 - इ, ई के बाद क्रतमान स्वर आता है तो इ ई के स्थान पर 'य्' हो जाता है।  
नियम 2 - उ, ऊ के बाद क्रतमान स्वर आता है तो उ ऊ के स्थान पर 'व्' हो जाता है।  
नियम 3 - ऋ के बाद क्रतमान स्वर आता है तो ऋ के स्थान पर 'र' हो जाता है।

श्रुक्षर से पहले श्राधा श्रुक्षर आता है तो 99% यण सन्धि होगी।

उदाहरण -

श्रुधि + श्रुयन - श्रुध्ययन  
श्रुधि + श्राय - श्रुध्याय  
श्रुनु + श्रुय - श्रुन्वय  
गुरु + श्रादेश - गुरुदेश  
भानु + श्रागम - भान्वागम  
सु + श्रागत - स्वागत  
सु + श्रार्थ - स्वार्थ  
सु + श्रुच्छ - स्वच्छ  
सु + श्रुल्प - स्वल्प  
मातृ + श्राज्ञा - मात्राज्ञा  
पितृ + श्राज्ञा - पित्राज्ञा  
मातृ + श्रादेश - मात्रादेश  
भ्रातृ + ऐश्वर्य - भ्रात्रैश्वर्य  
धातृ + श्रंश - धात्रैश

#### 5. श्रुयादि सन्धि

नियम 1 - ए के बाद कोई भी स्वर आता है तो ए के स्थान पर श्रुय् हो जाता है।  
नियम 2 - ऐ के बाद कोई भी स्वर आता है तो ऐ के स्थान पर श्राय् हो जाता है।

नियम 3 - ओ के बाद कोई स्वर आता है तो ओ के स्थान श्रुव् हो जाता है।

नियम 4 - औ के बाद कोई स्वर आता है तो औ के स्थान पर श्राव् हो जाता है।

उदाहरण -

ने + श्रुन - नयन  
गै + श्रुन - गायन  
पो + इत्र - पवित्र  
श्री + श्रुन - श्रवण

रौ + श्रुन - रावण  
विद्यै + श्रुक - विधायक  
चे + श्रुन - चयन

पो + श्रुन - पवन  
धौ + श्रुक - धावक

#### व्यंजन सन्धि

व्यंजन सन्धि - व्यंजन के बाद स्वर या व्यंजन आता है तो व्यंजन में विकार उत्पन्न हो जाता है उसे व्यंजन सन्धि कहते हैं।

नियम 1 - किसी वर्ग के प्रथम वर्ण के बाद यदि कोई स्वर आता है तो प्रथम वर्ण के स्थान पर उसी वर्ग का तीसरा वर्ण हो जाता है।

उदाहरण -

जगत् + ईश - जगदीश  
वाक् + ईश्वर - वागीश्वर  
वाक् + ईश्वरी - वागीश्वरी  
उत् + आहरण - उदाहरण

नियम 2 - किसी वर्ग के प्रथम वर्ण के बाद यदि किसी वर्ग का तीसरा, चौथा या य,व, र वर्ण आता है तो प्रथम वर्ण के स्थान पर उसी वर्ग का तीसरा वर्ण हो जाता है।

उदाहरण -

रत् + धर्म - रद्धर्म  
षट् + रत्न - षड्रत्न  
षट् + रिपु - षड्रिपु  
श्रुप् + ज - श्रुब्ज (कमल)  
श्रुप् + द - श्रुब्द (बादल)

नियम 3 - यदि किसी वर्ग के प्रथम वर्ण के बाद 'ह' आता है तो प्रथम वर्ण के स्थान पर उसी वर्ग

का तीसरा वर्ण हो जाता है और ह के स्थान पर भी उसी वर्ण का चौथा वर्ण हो जाता है।

उदाहरण -

उत् + हार - उद्धार

तत् + हित - तद्धित

रत्नमुद् + हिंसा - रत्नमुंडिसा

वाक् + हरि - वाग्धरि

नियम 4 - यदि किसी 'वर्ग के चतुर्थ वर्ण के बाद किसी भी वर्ण का चतुर्थ वर्ण आता तो चतुर्थ वर्ण के स्थान पर उसी वर्ण का तीसरा वर्ण हो जाता है।

उदाहरण -

बुध् + श्रध - बुद्धि

शिध् + ध - शिद्ध

लभ् + धि - लब्धि

युध् + ध - युद्ध

नियम 5 - यदि किसी वर्ण के प्रथम वर्ण के बाद किसी वर्ण का पंचम वर्ण आता है तो प्रथम वर्ण के स्थान पर भी उसी वर्ण का पंचम वर्ण हो जाता है।

उदाहरण -

जगत् + नाथ - जगन्नाथ

सत् + मति - सन्मति

मृत + मय - मृन्मय

मृत् + मूर्ति - मृन्मूर्ति

वाक् + मय - वाङ्मय

नियम 6 - यदि म के बाद क से लेकर म तक कोई वर्ण आता है तो म का अनुस्वार हो जाता है या फिर अगले वर्ण का पंचम वर्ण हो जाता है।

उदाहरण -

सम् + धि - संधि/ सन्धि

सम् + गठन - सगठन

सम् + जय - संजय

अलम् + कार - अलंकार

सम् + कर - संकर

सम् + कर - संकर

सगठन - सङ्गठन - सडठन

अलंकार - अलङ्कार - अलडकार

संकर - सडकर

नियम 7 - यदि म के बाद य र ल व ष श ष ह आता है तो म के स्थान पर केवल अनुस्वार हो जाता है।

उदाहरण -

सम् + यम - संयम

सम् + शोधन - संशोधन

सम् + शार - संशार

सम् + विधान - संविधान

सम् + हार - संहार

नियम 8 - सम् उपसर्ग के बाद क धातु से बने हुए शब्द

(कार, करण, कर्ता, कर) आदि आता है तो म का अनुस्वार हो जाता है और बीच में स् का आघम हो जाता है।

उदाहरण -

सम् + कार - संस्कार

सम् + कृत - संस्कृत

सम् + करण - संस्करण

सम् + कृति - संस्कृति

नियम - 9 यदि परि उपसर्ग के बाद कृ धातु से बने हुए शब्द ( कार, कर्ण, कर्ता, कर, कृति) आते हैं तो बीच में मुर्धा ष् का आघम हो जाता है।

कर्त्तव्य - सही कर्त्तव्य, कर्त्ता - सही कर्त्ता

उदाहरण -

परि + करण - परिष्करण

परि + कार - परिष्कार

परि + कर्ता - परिष्कर्ता

नियम 10 - यदि त् द् के बाद स्थ आता है तो स्थ के स् लोप हो जाता है।

उदाहरण -

उत् + स्थान = उत्थान

उत् + स्थित = उत्थित जागना

उत् + स्थानम् = उत्थानम्

नियम 11 - यदि त् द् के बाद क ख प फ त श आता है तो त्, द् के स्थान पर त् हो जाता है।

उदाहरण -

उद् + कर्ष - उत्कर्ष

उद् + तम - उत्तम

तद् + पुरुष - तत्पुरुष

संसद् + सत्र - संसत्सत्र

उद् + खनन - उत्खनन

नियम 12 - यदि निश् दुश् उपसर्ग के बाद क, ट्, प, फ आता है तो निश् दुश् के स् के स्थान पर मुर्धा ष् हो जाता है।

उदाहरण -

निश् + कर्ष - निष्कर्ष

निश् + टंकार - निष्टंकार (आवाज न करना)

दुस् + कर्म - दुष्कर्म  
दुस् + पाप - दुष्पाप  
दुस् + फल - दुष्फल

नियम 13 - ष के बाद त, थ आता है तो त के स्थान पर ट, एवं थ के स्थान पर ठ हो जाता है।

उदाहरण - शृप् + ति - शृष्टि  
दृष् + ति - दृष्टि  
हष् + त - हष्ट  
पुष् + त - पुष्ट  
षष् + थ - षष्ठ

नियम 14 - यदि इ/उ के बाद श आता है तो श के स्थान पर ष हो जाता है।

उदाहरण - श्रभि + शैक - श्रभिषेक  
नि + शंग - निषंग  
नि + शैद्य - निषेद्य  
वि + शम - विषम  
शु + शमा - शुषमा

नियम 15 - यदि इ/उ के बाद स्थ आता है तो स्थ के स्थान पर ष्ट हो जाता है।

उदाहरण - नि + श्था - निष्ठा  
प्रति + श्था - प्रतिष्ठा  
प्रति + श्थित - प्रतिष्ठित  
युधि + श्थिर - युधिष्ठिर

नियम - 16 यदि किसी स्वर के बाद श्रगर छ आता है तो बीच में च् का आगम हो जाता है।

उदाहरण - श्रनु + छेद - श्रनुच्छेद  
वि + छेद - विच्छेद  
परि + छेद - परिच्छेद (चारों तरफ का)  
मातृ + छाया - मातृच्छाया  
लक्ष्मी + छाया - लक्ष्मीच्छाया

नियम 17- यदि त्/द के बाद श्रगर च, छ आता है तो त्/द के स्थान पर भी च् हो जाता है।

उदाहरण - शत् + चित = शच्चित  
शत् + चरित्र = शच्चरित्र  
उत् + छेद = उच्छेद  
उत् + चारण = उच्चारण  
उत् + छिन्न = उच्छिन्न  
शरत् + चन्द्र = शरच्चन्द्र

नियम 18 - यदि त्, द के बाद ज या झ आता है तो त्/द के स्थान पर भी ज् हो जाता है।

उदाहरण -

विद्युत् + ज्योति = विद्युज्ज्योति

जगत् + ज्वाला = जगज्ज्वाला (जगत की ज्वाला)

उत् + ज्वल = उज्ज्वल

वहत् + झंकार = वहज्झंकार

महत् + झंकार = महज्झंकार

नियम 19 - यदि क, त्, द के बाद ट, ठ हो तो त्/द के स्थान पर भी ट् हो जाता है।

उदाहरण -

तत् + टीका = तट्टीका

वृहत् + टीका = वृहट्टीका

2. त्, द के बाद उ, ङ हो तो ङ् हो जाता है।

उदाहरण -

उत् + उयन = उङ्गयन

उत् + डीन = उङ्गीन

नियम 20 - त्/द के बाद ल हो तो त्/द के स्थान पर भी ल् हो जाता है।

उदाहरण -

तत् + लीन = तल्लीन

तत् + लय = तल्लीय

उत् + लेख = उल्लेख

उत् + लिखित = उल्लिखित

नियम 20 - यदि न् के बाद ल् हो तो न् का ल् हो जाने पर न् से पूर्व आए वर्ण पर ऋद्धचन्द्र बिन्दु का आगम हो जाता है।

उदाहरण -

विद्वान् + लिखति - विद्वान्ल्लेख

महान् + लिखति - महान्ल्लेख

महान् + लेख - महान्ल्लेख

विद्वान् + लेख - विद्वान्ल्लेख

नियम 21 - यदि त्/द के बाद ष आता है तो त्, द के स्थान च् हो जाता है और ष के स्थान पर छ हो जाता है।

उदाहरण -

तत् + शिव - तच्चिव

उत् + श्वाश - उच्छ्वाश

श्रीमत् + शरत् + चन्द्र - श्रीमच्छरच्चन्द्र

नियम 22 - यदि ऋहन् के बाद र से भिन्न वर्ण आता है तो न् के स्थान पर र् हो जाता है।

उदाहरण -

ऋहन् + पति - ऋहपति (दिन का स्वामी)

ऋहन् + ऐश्वर्य - ऋहर्ऐश्वर्य

ऋहन् + गण - ऋहगण

अहन् + अहन् - अहरह

अहन् के बाद अहन आता है तो अन्तिम न् का लोप हो जाता है।

नियम 23 - यदि अहन् के बाद 2 वर्ण आता है तो अहन् के स्थान पर अहो हो जाता है।

उदाहरण-

अहन् + रथ - अहोरथ

अहन् + रूप - अहोरूप

अहन् + रात्रि - अहोरात्रि - अहोरात्र

अहोरात्र द्बद्ध समास

नियम 24 - ऋ, २ ष के बाद न का ण हो जाता है।

उदाहरण -

प्र + नाम - प्रणाम

परि + नाम - परिणाम

परि + नय - परिणय

ऋ + न - ऋण

राम + अयन - रामायण दीर्घ

मीरा + अयन - मीरायण दीर्घ

नियम 25 - यदि म से पहले च वर्ण, ट वर्ण, त वर्ण या श, ष, ह, ल आता है तो न का ण नहीं होता है।

उदाहरण -

रत्न + अयन - रत्नायन

दक्षिण + अयन - दक्षिणायन

राजा + अयन - राजायन

वर्णलोप -

पक्षिन् + राज - पक्षिराज

प्राणिन् + नाथ - प्राणिनाथ

युवन् + राज - युवराज

प्राणिन् + शास्त्र - प्राणिशास्त्र

## विशर्ग शन्धि (:)

विशर्ग शन्धि - यदि विशर्ग के बाद स्वर या व्यंजन आता है तो विशर्ग स्थान पर विकार उत्पन्न हो जाता है उसे विशर्ग शन्धि कहते हैं।

नियम 1 - यदि विशर्ग के बाद त, थ आता है तो विशर्ग के स्थान पर त् हो जाता है।

उदाहरण -

नमः + ते - नमस्ते

मनः + ताप - मनस्ताप

शिरः + त्राण - शिरस्त्राण (शिर की रक्षा करना)

बहिः + थल - बहिस्थल

मनः + त्याग - मनस्त्याग

निः + तेज - निस्तेज

नियम 2 - यदि विशर्ग के बाद च, छ आता है तो विशर्ग के स्थान पर च् हो जाता है।

उदाहरण -

निः + चय - निश्चय

निः + छल - निश्छल

मनः + चिकित्सा - मनश्चिकित्सा

दुः + छल - दुश्छल

आः + चय - आश्चर्य

मनः + चिकित्सा - मनश्चिकित्सा

नियम 3 - यदि विशर्ग से पहले इ या उ और विशर्ग के बाद क ह ट प फ म आता है तो विशर्ग के बाद क ह ठ प जाता है।

उदाहरण -

धनुः + टंकार - धनुष्टंकार

आविः + कार - आविष्कार

आयुः + मति - आयुष्मति

आयुः + मान - आयुष्मान

चतुः + पाद - चतुष्पाद

चतुः + कोण - चतुष्कोण

परिः + कार - परिष्कार

नियम 4 - यदि विशर्ग के बाद ( ष, श, ष ) आता है तो विशर्ग का लोप नहीं होता है या फिर बाद वाला वर्ण हो जाता है।

उदाहरण -

नमः + शिवाय - नमः शिवाय

निः + शुल्क - निः शुल्क

दुः + स्वप्न - दुः स्वप्न

दुः + शासन - दुः शासन

प्रातः + स्मरण - प्रातः स्मरण

नमश्शिवाय, निश्शुल्क, दुस्स्वप्न, दुश्शासन, प्रातस्स्मरण

नियम 5 - यदि विशर्ग से पहले कृ, आ हो और विशर्ग के बाद कृ धातु (कार, कृत, कृति, करण कर्ता) से बने शब्द आते हैं तो विशर्ग के स्थान पर क् हो जाता है।

उदाहरण -

पुरः + कार - पुरस्कार

तिरः + कार - तिरस्कार

भाः + कार - भास्कर

नमः + कार - नमस्कार

वाचः + पति - वाचस्पति



गृहः + पति - गृहस्पति  
बृहः + पति - बृहस्पति

नियम 6 - यदि विशर्ग के पहले ऋ, इ, उ, हो और विशर्ग के बाद घोष वर्ण हो (य र व ल ह) स्वर आता है तो विशर्ग के स्थान पर र् हा जाता है ।

उदाहरण -

दुः + गम - दुर्गम  
निः + धन - निर्धन  
पुनः + विवाह - पुनर्विवाह  
आशीः + वाद - आशीर्वाद  
निः + श्रुत - निरुत  
पुनः + वास - पुनर्वास  
निः + बल - निर्बल  
निः + श्रु - निरु  
निरुत, दुःशास्त्र, निरुजंन, निरु - बिना बादल

नियम 7 - यदि विशर्ग के पहले इ या उ हो और विशर्ग के बाद र हो तो विशर्ग का लोप हो जाता है और उसके पहले इ या उ का दीर्घ हो जाता है ।

उदाहरण -

निः + र - नीर  
निः + रोग - नीरोग  
दुः + राज - दूरज  
निः + रज - नीरज  
नीर + ज - जल में जन्म लेने वाला

नियम 8 - यदि विशर्ग से पहले री ऋ हो और विशर्ग के बाद भी ऋ हो तो पहले वाला ऋ और विशर्ग मिलकर श्री हो जाता है और बाद वाले ऋ श्रवग्रह चिह्न हो जाता है ।

उदाहरण-

कः + अपि - कोऽपि  
मनः - अनुकूल - मनोऽनुकूल  
मनः + अभिलाषा - मनोऽभिलाषा  
शिवः + अर्च्य - शिवोऽर्च्य

नियम 9 -

यदि पदान्त ऋ के परे विशर्ग हो और विशर्ग के परे कोई सघोष व्यंजन श्रुतवा य, र, ल, व, र् में से कोई एक वर्ण हो तो पदान्त ऋ + : = ऋ के स्थान पर 'श्री' हो जायेगा ।

उदाहरण -

मनः + ज - मनोज  
मनः + हर - मनोहर  
श्रुतः + गति - श्रुतगति  
मनः + विज्ञान - मनोविज्ञान

शरः + ज - शरीज  
यशः + दा - यशोदा

नियम 10 - यदि विशर्ग के बाद क ख प फ आता है तो विशर्ग का लोप नहीं होता है

उदाहरण -

प्रातः + काल - प्रातः काल  
नाभः + कतन - नाभः केतन  
श्रुतः + पुर - श्रुतः पुर  
मनः + पूत - मनः पूत

## समास

समास का अर्थ - संक्षिप्तीकरण  
समास का शाब्दिक अर्थ - समान रूप से पाए जाने

समास का विग्रह - सम् + आस अर्थात् समास  
इसमें कोई सम्बन्ध नहीं है संयोग है।

समास शब्द का विलोम - व्यास  
वि + आस - व्यास यण् संधि

- दो या दो से अधिक पदों का मेल होता है और बीच की विभक्ति का लोप हो जाता है उसे समास कहते हैं।
- मिले हुए पदों को सामासिक पद कहते हैं। श्लोई घर समास का विग्रह श्लोई के लिए घर।
- श्लोईघर - श्लोई के लिए घर।
- समास शब्दों के विग्रह पर निर्भर करता है पद के विग्रह के आधार पर ही समास का नामकरण होता है।
- समास में कम से कम दो पद होते हैं प्रथम पद को पूर्व पद कहते हैं द्वितीय पद को उत्तर पद कहते हैं।

विग्रह के आधार पर समास के भेद -

1. नित्य जाति
2. अनित्य जाति

1. नित्य जाति - जिस समास का सामान्य रूप में विग्रह नहीं होता है वह नित्य जाति का समास कहलाता है। - अव्ययीभाव

2. अनित्य जाति - जिस समास का सामान्य रूप में विग्रह हो जाता है उसे अनित्य जाति का समास कहते हैं।

➤ समास के 6 भेद होते हैं -

1. अव्ययीभाव समास
2. तत्पुरुष समास
3. कर्मधारय समास
4. द्विगु समास
5. द्वन्द्व समास
6. बहुव्रीहि समास

➤ अव्ययीभाव समास - जिस समास में प्रथम पद अव्यय होता है और वही प्रधान होता है तथा दूसरा पद संज्ञा होता है। उसे अव्ययीभाव समास कहते हैं।

अव्ययीभाव समास के दो भेद माने जाते हैं :-

1. पूर्व अव्ययपद
2. पूर्व नाम पद

1. पूर्व अव्ययपद - इसमें पहला पद अव्यय होता है और दूसरा पद संज्ञा होता है।

उदाहरण -

- आमरण - मरण पर्यन्त/मरण तक
- आजन्म - जन्म पर्यन्त
- यथाशक्ति - शक्ति के अनुसार
- यथा क्रम - क्रम के अनुसार/जैसा क्रम
- यथा संभव - जैसा संभव हो।
- यथागति - गति के अनुसार/जैसी गति
- प्रतिदिन - दिन - दिन/हर दिन
- प्रतिवर्ष - हर वर्ष/वर्ष - वर्ष
- प्रत्येक - हर एक या एक - एक
- जीवनभर - पूरा जीवन
- भरपेट - भेट भरकर

2. पूर्वनाम पद अव्ययीभाव समास -

इसमें पहला पद आता है तथा जहाँ दो संज्ञा शब्द समान रूप में आ जाते हैं वहाँ पर भी पूर्वनाम पद अव्ययीभाव होता है।

उदाहरण -

- शतोशत - शत ही शत में
- हाथोहाथ - हाथ ही हाथ में
- बीचोंबीच - बीच के भी बीच में
- घर घर - प्रतिघर / घर घर
- दिन दिन - प्रतिदिन / हरदिन
- वर्ष वर्ष - हरवर्ष/प्रतिवर्ष
- जीवन भर - पूरा जीवन

➤ तत्पुरुष समास - जिस समास में उत्तर पद प्रधान होता है और प्रथम पद विशेषण जैसा होता है विशेषण नहीं होता तो उसे तत्पुरुष समास कहते हैं।

उदाहरण -

- अहरह - अह्न + अहन् व्यंजन संधि
- दिन - दिन अव्ययीभाव समास
- लुप्त कारक चिह्न तत्पुरुष समास

जिस कारक चिह्न का लोप हो जाता है उसी के आधार पर समास का नामकरण हो जाता है।

कारक विभक्ति चिह्न -

- कर्ता - ने
- कर्म - को

करण - री सहायता री द्वारा, के द्वारा  
सम्प्रदान - के लिए  
श्रुपादान - री श्रुलग होना  
सम्बन्ध - का, के की,  
श्रुधिकरण - में या पर  
सम्बोधन - हे श्रुरे ! श्रुी

➤ कर्म तत्पुरुष समास (को)

उदाहरण -

गृहागत - घर को गया (आगत)  
बाजार गत - बाजार को गया  
ग्राम गत - गाँव को गया  
गगनचुम्बी - गगन को चुम्बने वाला  
श्वर्गगत - श्वर्ग को गया  
दिलतोड - दिल को तोडने वाला

➤ करण तत्पुरुष समास - (री)

उदाहरण -

तृष्णापीडित - तृष्णा री पीडित  
कामपीडित - काम री पीडित  
ज्वरपीडित - ज्वर री पीडित  
हस्तलिखित - हस्त री लिखित  
वाक्युद्ध - वाक के द्वारा युद्ध

विशेष बात -

श्रुंग विकार के योग में करण तत्पुरुष समास होता है ।

कर्णबधिर - कान री बहिरा

पादपंगु - पैर री लगडा

धर्माध मदान्ध - मोहार्ध प्रथम श्रुधिकरण को माने धर्म में श्रुन्धा मद में श्रुन्धा मोह

➤ सम्प्रदान तत्पुरुष समास (के लिए)

उदाहरण -

विधानसभा - विधान के लिए सभा  
विधानपरिषद् - विधान के लिए परिषद्  
लोकसभा - लोक के लिए सभा  
यज्ञशाला - यज्ञ के लिए शाला  
शौईघर - शौई के लिए घर  
गुरुदक्षिणा - गुरु के लिए दक्षिणा  
कृषि भवन सम्बन्धी कार्यों - कृषि के लिए भवन  
उद्योग भवन - उद्योग के लिए भवन

➤ श्रुपादान तत्पुरुष (री श्रुलग होना)

उदाहरण :-

कर्जमुक्त - कर्ज री मुक्त

श्रुणमुक्त - श्रुण री मुक्त  
चिन्तामुक्त - चिन्ता री मुक्त  
देशमुक्त - देश री निकाला  
पथ श्रुष्ट - पथ री श्रुष्ट  
विद्यालयगत - विद्यालय री श्रुया  
वनागत - राम वन री श्रुया  
ग्रामगत - (ग्राम गाँव) री श्रुया ।

री लेकर श्रुर्थ में श्रुपादान तत्पुरुष समास होता है ।  
जमांध - जन्म री श्रुन्धा री लेकर श्रुर्थ में होता है ।  
बालांध - बचपन री श्रुन्धा

उदाहरण :-

श्रुश्वभीत - श्रुश्व री भयभीत  
श्रुश्वरक्षित - श्रुश्व री रक्षा करना  
श्रुश्रीला - करकाभीत - श्रुश्रीले री उर

➤ सम्बन्ध तत्पुरुष समास - का के की

उदाहरण -

राष्ट्रपति - राष्ट्र का पति  
राजकुमार - राजा का कुमार (पुत्र)  
पशुबलि - पशु की बलि  
मात्राज्ञा - माता की श्रुज्ञा  
मृगपालक - मृग का पालन

➤ श्रुधिकरण तत्पुरुष समास - में, पर

उदाहरण :-

वनवास - वन में वास  
श्रुआपबीती - श्रुआप पर बीती  
नगर प्रवेश - नगर में प्रवेश  
समाश्रित - राम री श्रुआश्रित  
शरणगत - शरण में आगत (में श्रुआया)

➤ नण् तत्पुरुष समास :- इस समास में न के स्थान पर यदि बाद में व्यंजन होता है तो श्रु हो जाता है न के बाद कोई श्वर आता है तो न के स्थान पर श्रुन् हो जाता है ।

उदाहरण :-

न सत्य - श्रुसत्य  
न उचित - श्रुनुचित  
न ऐतिहासिक - श्रुनैतिहासिक  
न आवश्यक - श्रुनावश्यक  
न ज्ञान - श्रुज्ञान  
न पर्णा - श्रुपर्णा - पार्वती  
न धर्म - श्रुधर्म  
न भय - श्रुभय  
पार्वती ने पत्ते खाना छोड दिया ।

➤ मध्यपद लोपी तत्पुरुष समास  
लुप्तपद तत्पुरुष समास

उदाहरण :-

- दही बडा - दही में डूबा हुआ बडा  
रेलगाडी - पटरी पर चलने वाली गाडी  
बैलगाडी - बैलो द्वारा खींचकर चलाई जाने वाली गाडी  
गुडधानी - गुड में मिली हुई धानी  
रेशगुल्ला - रेश में डूबा हुआ गुल्ला  
घृतान्त - घी में पका हुआ अन्न

➤ उपपद तत्पुरुष समास:-

उत्तर पद में क्रिया रूप में प्रत्यय हो जिससे 'वाला' अर्थ प्रकट होता है।

उदाहरण:-

- जलद - जल को देने वाला  
रचनाकार - रचना को करने वाला  
मधूप - शहद - मधु को पीने वाला  
नभचर - आकाश में चलने वाला  
खग - (ख) आकाश में (ग)गमन करने वाला  
स्वर्णकार - स्वर्णकार का काम करने वाला  
कुम्भकार - कुम्भ को आकार देने वाला  
राजनीतिज्ञ - राजनीति को जानने वाला

➤ श्लुक् तत्पुरुष समास:- जिसमें हमें कोई विभक्ति दिखाई देती है वह श्लुक् तत्पुरुष समास कहलाता है।

उदाहरण :-

- वनचर - वन में विचरण करने वाला  
विश्वभर - विश्व को भ्रमण करने वाला  
वशुन्धरा - वशुओं को धारण करने वाला  
खचर - ख आकाश में विचरण करने वाला

कर्मधारय समास

कर्मधारय समास में केवल और केवल विशेषता पाई जाती है। जहाँ विशेष्य की विशेषता बताई जाती है या उपमेय की उपमानता बताई जाती है वहाँ कर्मधारय समास होता है।

- नीलकमल - नीला है जो कमल  
महापुरुष - महान है जो पुरुष  
चरणकमल - कमल रूपी चरण  
शंघ्याशुन्दरी - शंघ्या रूपी शुन्दरी  
विद्यारत्न - विद्या रूपी रत्न  
लाल मिर्च - लाल है जो मिर्च  
कमल मुख - कमल रूपी मुख  
पीला वस्त्र - पीला है जो वस्त्र

- अम्बरपनघट - अम्बर रूपी पनघट  
नीलीगाय - नीली है जो गाय  
रातपुरुष - रात है जो पुरुष

विशेष बात :- यदि दोनों पद पूर्व पद उत्तर पद विशेषता बताने वाले आ जाते हैं तो वहाँ कर्मधारय समास नहीं होता है। वहाँ द्वन्द्व समास माना जाता है।

- हृष्ट - पुष्ट - हृष्ट और पुष्ट  
मोटा - ताजा - मोटा और ताजा  
नीला - पीला - नीला और पीला

5. द्वन्द्व समास :-

जिस समास में दोनों पद समास होते हैं उसे द्वन्द्व समास कहते हैं। द्वन्द्व समास के तीन भेद माने जाते हैं।

1. इतरतर द्वन्द्व - और एवं तथा
2. समाहार द्वन्द्व - आदि अथवा इत्यादि
3. वैकल्पिक द्वन्द्व - या अथवा वा

1. इतरतर द्वन्द्व :-

उदाहरण :-

- एकादश - एक और दश  
माता - पिता = माता और पिता  
लाल - पीला = लाल और पीला  
कृष्ण - अर्जुन = कृष्ण और अर्जुन  
इधर - उधर = इधर और उधर  
यहाँ - वहाँ = यहाँ और वहाँ  
अष्टादश = आठ और दश

विशेष बात:-

एक से दश तक संख्याओं तथा दश से भाज्य संख्याओं को छोड़कर अन्य समस्त संख्या वाची शब्दों में द्वन्द्व समास होता है।

उदाहरण :-

- 25 पच्चीस - पाँच और बीस  
68 अडसठ - आठ और साठ

2. समाहार द्वन्द्व समास :-

- हाथ पैर - हाथ - पैर आदि  
चिट्ठी पत्रि - चिट्ठी - पत्रि आदि  
बाल बच्चा - बाल - बच्चा आदि  
फल फूल - फल - फूल आदि  
बहु बेटी - बहु - बेटी आदि  
चाय पानी - चाय - पानी आदि  
धन दौलत - धन - दौलत आदि  
पेड पौधे - पेड - पौधे आदि

भला बुरा - भला - बुरा आदि  
कीडा मकोडा - कीडा - मकोडा आदि  
विशेष बात :- इस समास में निर्धक शब्दों का भी प्रयोग किया जाता है ।

जैसे:-

चाय - वाय - चाय आदि  
रेटी - श्रोटी - रेटी आदि

तिराहा - तीन राहों का समूह  
चौराहा - चार राहों का समूह  
सतक - सौ का समूह  
त्रिवेणी - तीन नदियों का समूह  
सतसई - सात सौ का समूह  
सप्ताह - सात दिनों का समूह

### 3. वैकल्पिक द्रुद्ध :-

इस समास में विरुद्ध अर्थ वाले शब्द होते हैं ।

जैसे :- ठण्डा - गर्म - ठण्डा और गर्म  
शितोष्ण - शीत और ऊष्ण  
दिन रात - दिन और रात  
सुख दुख - सुख या दुख  
लाभ हानि - लाभ या हानि  
धर्मधर्म - धर्म या अधर्म  
दस बीस - दस या बीस  
सौ दो सौ - सौ या दो सौ

### बहुब्रीहि समास :-

इस समास में न तो प्रथम पद प्रधान होता है और ना ही द्वितीय पद प्रधान होता है इसका अन्य पद प्रधान पद प्रधान होता है ।

इस समास में कोई भी पद प्रधान नहीं होता है ।

उदाहरण :-

हैं जिसका

गजानन - हाथी के मुख के समान मुख  
चतुरानन - चार ज्ञानन है जिसके अर्थात् ब्रह्मा  
पंचानन - पाँच ज्ञानन है जिसके अर्थात् शिव  
षडानन - छः ज्ञानन है जिसके अर्थात् कार्तिक  
दशानन - दस ज्ञानन है जिसके अर्थात् रावण  
षष्ठमुख - छः मुख है जिसके अर्थात् कार्तिक  
आशुतोष - शीघ्र प्रसन्न होने वाला अर्थात् शिव  
ऋषिकेश - इन्द्रियों का स्वामी है जो अर्थात् विष्णु  
शाखामृग - शाखाओं पर विचरण करने वाला  
अर्थात् बन्दर  
त्रयंबक - तीन नेत्र है जिसके अर्थात् शिव  
चन्द्रचूड - शिर पर चन्द्रमा है जिसके अर्थात्  
शिव  
सहस्राक्ष - हजारों आँखें हैं जिसके इन्द्र

### द्विगु समास

जिस समास में पहला पद संख्यावाची होता है और दूसरा पद संज्ञा होता है तथा समूह का बोध होता है उसे द्विगु समास कहते हैं ।

उदाहरण -

त्रिलोकी - तीन लोको का समूह  
त्रिमुनि - तीन मुनियों का समूह



**English**

## Nouns

A noun is a name of person, place, thing, idea, action a quantity.

### Types

- **Proper noun** – Denotes a particular person, place, thing.  
Ex. Akshay, Pooja, Ankita
- **Common noun** – Is the name given in common to every person or thing of the same class or kind.  
Ex. Boy, girl, company etc.
- **Collective noun** – Denotes a group or collective of similar individuals considered as one complete whole.  
Ex. Class, Staff, Army, Parliament etc.
- **Material noun** – Denotes matter or substance of which a thing is made.  
Ex. Iron, gold, silver, etc.
- **Abstract noun** – Is usually the name of a quality, action or state considered apart from the object to which it belongs.  
Ex. Virtue, darkness, kindness, happiness etc.
- **Singular noun** – Boy, girl, man, car etc.
- **Plural noun** – Boys, girls, men, cars etc.
- **Countable nouns** – Are the names of objects, people etc. that we can count.  
Ex. Book, doctor, horse, apple
- **Uncountable nouns** – Are the names of things which we can't count.  
They mainly denotes substance and abstract things.  
Ex. Milk, Oil, Sugar, Gold, Honesty etc.

## Noun Numbers –

Singular noun ending	Plural noun ending	Singular	Plural
1) -s, -ss, -ch, -x, -zz	-es	Man	Men
Ex. Focus	Focuses	Woman	Women
Princess	Princesses	Mouse	Mice
Box	Boxes	Fish	Fish or Fishes
Buzz	Buzzes	A sheep	Ten sheep
2) -o	-s or -es	Child	Children
Ex. Hero	Heroes	Ox	Oxen
Piano	Pianos	A woman doctor	Several women doctors
Potato	Potatoes	A bookcase	Two bookcases
3) Consonant +y	-ies	An Indian take away	Two Indian take away
Baby	Babies	A passer by	Several passers by
Hobby	Hobbies	Glassful	Glassfuls
4) Vowel +y	-s	Spoonful	Spoonfuls
-key	-keys		
-ray	-rays		
5) -F	-S or -ves		

Ex. hoof	Hoofs or hooves		
Dwarf	Dwarfs or dwarves		
Thief	Thieves		
Roof	Roofs		
6) -fe	-ves		
- Knife	-Knives		
- Life	-Lives		
7) On	A	Ex.	
Phenomenon	Phenomena	<ul style="list-style-type: none"> <li>• Since I had never seen a falling star, seeing one on my honeymoon was real Phenomena. [Use Phenomenon in place of Phenomena]</li> <li>• As we all know sunrise is a great phenomena. (x) a great(Phenomenon) (✓)</li> </ul>	
Criterion	Criteria		

Singular (Is)	Plural (es)
Analysis	Analyses
Diagnosis	Diagnoses
Casis	Cases
Thesis	Theses
Crisis	Crises

**Ex.**

- During the real estate crises; homes prices were extremely low but few people had money to buy.

**Ans.** Crises (x) → Crisis (✓)  
Plural Singular

- The widow who lies near his house is passing through many crisis. (x)

Crisis (x) → Crises (✓)  
Singular Plural

**Ans.** Correct is **Crises**.

**US - I**

- Cactus - Cacti
- Focus - Foci
- Fungus - Fungi
- Nucleus - Nuclei
- Syllabus - Syllabi ; Syllabuses
- Radius - Radii

**Ex.**

- We need to improve our textbooks and syllabus in such a way that students do not need to rely on the cheap notes.

**Ans.** Syllabus (x) - Syllabi (✓)

- All the cactus were in flower, so that the desert was a riot of color.

**Ans.** Cactus (x) - Cacti (✓)  
(Singular) (Plural)

Cactus गलत है क्योंकि All Plural है तो Noun भी Plural होगा ।



**Um - A**

- Datum - Data  
 Medium - Media  
 Memorandum - Memoranda

**Ex.**

- We can solve these problems by using method of floating datum DMO superposition. (✓)

**Ans.** Datum (Sing.) (✓) – क्योंकि यहाँ एक specific method (floating method) की बात हो रही है क्योंकि specific method (singular) है तो (datum (sing.)) noun भी sing. होगा ।

- He copied the relevant data out of the encyclopedia.

**Ans.** Data (Plural) (✓) – काम का data collect किया मतलब बहुत शाश data collect किया होगा ।

**Important Rules –**

**Rule 1** – We always use singular verb with uncountable nouns.

- Plural of these words does not exist.
- Some examples of uncountable nouns are –

Machinery	Scenery	Information	Luggage
Advice	Poetry	Evidence	Help
Furniture	Bread	Wood	Fuel
Hair	Crockery	Cash	Money
Bakery	Behavior	Dirt	Jewelry

Knowledge	Wastage	Dust	Clothing
Mischief	Cost		

**Note:** - These nouns will not take A, An, many, few number of [plural verb] → they take singular verb.

**Ex.**

- The sceneries (Uncountable Noun) of Kashmir have (Plural Verb) enchanted us. (✗)

**Ans.** The scenery of Kashmir has enchanted us. (✓)

- She gave two jewelries. (correct – jewelry or a piece of jewelry)
- His hairs are black. → His hair is black. (✓)
- I ate three breads today. (Correct – Bread or three slices of bread)

**Rule 2** – Certain noun exist in plural forms only. Thus 's' cannot be removed from such nouns.

- They take plural verb form.

**Ex.**

Scissors	Jeans	Pincers	Shorts
Spectacles	Remains	Congratulations	Pliers
Binoculars	Pajamas	Pants	Tweezers
Tongs	Earnings	Scales	Savings
	Trousers	Tights	
Hanks	Socks	Wages	

**Ex.**

- Where are my pants? (Plu.)
- Where are the tongs? (Plu.)
- Alms were given to beggars.
- She forgot her spectacle here.  
(Correct → Spectacles)

**Rule 3** – There are some nouns that indicate – length, measure, money, weight or number. When they are preceded by numeral, they remain unchanged in form.

→ Foot, meter, pair, score, dozen, head, year, hundred, thousand, million, billion, trillion.

- इससे पहले number हो तो → 'S' नहीं लगेगा

**Ex.**

- Three dozens pencils. (×)  
Three dozen pencils. (✓)
- इसके बाद 'of' हो तो → 's' लगेगा

**Ex.**

- Thousand of people died of cholera last year.  
Correct – Thousands of people died of cholera last year.
- I have seven dozens of shoes.  
Correct – Dozen
- He has five thousands rupees.  
Correct – Thousand
- It is four years degree course.  
Correct – year

**Rule 4** – Some nouns are singular in meaning, but they are used as plural nouns and always take a plural verb.

[cattle, gentry, vermin, peasantry, artillery, people, company, police]

**Ex.**

- The cattle is grazing in the ground. (×)  
Correct – Cattle (Plural) → are Plural (✓)
- Police has controlled the situation.  
Correct – Has (×) → Have (✓)
- The children are playing in the field.
- large farms, cattle are usually marked with brand.  
(cattle (noun plural है इसलिए plural – farms (✓))

**Note –**

(1) People or peoples में difference -

People – of same race. (समान जाति वर्ग)

Peoples – of different race. (विभिन्न जाति वर्ग)

(i) \_\_\_\_\_ of world must unite.  
(peoples✓ / people×)

(2) Floor – the flat surface of the room

Ground – Surface of the earth

(3) Envy – a wish to possess that the other person has. (complete)

Jealousy – a feeling that arises out of fear of losing that you has.

(4) Skill – We acquire it by learning.

Talent – A natural ability.

**Rule 5** – Some nouns like – mathematics, physics, dynamics, ethics, linguistics, meta physics, optics, economics, news, polities,

mumps, measles, rickets, athletics, mechanics etc. are in plural forms but used as a singular noun.

**Ex.**

- Mathematics is the science of quantity.
- Bad news travels fast.
- Mumps has been nearly eradicated in our country.
- Billiards is my favorite game.

**Rule 6** – Some nouns are known as common gender nouns. They can be used for either sex; male or female.

These are called dual gender nouns. Such nouns are: teacher, student, child, clerk, candidate, advocate, worker, writer, author, leader, musician, politician, enemy, client, president, person, neighbor etc.

Q. When these are used in singular. Use third person singular masculine (his) pronoun with them.

**Ex.**

- Every candidate should write his (not her) name.
- Every person should perform his (not her) duty.

Each, either, everyone, everybody, no one, no body, neither, anybody are also common gender pronouns.

(c) The student forgot her spectacles at home. Her (×) → (his) ✓

(d) The teacher was not present in her office. Her (×) → (his) ✓

(e) The doctor suggested her patient to take medicines properly. her (×) → his (✓)

**Rule 7** – Some nouns are used for specifically for feminine gender only.

**Ex.**

- blonde, maid, mid wife, coquette etc.

Now a day nouns 'bachelor' and 'virgin' are being used for masculine and feminine gender as well.

**Ex.**

- He is coquette. (×)
- She is coquette. (✓)

**Rule 8** – If the same noun is repeated after preposition, the noun will be singular.

[noun (s) + preposition + noun (s)]

**Ex.**

- Town after town  
(Noun) (Prep.) (Noun)  
Was/ were devastated.

Was (✓) Were (×)

- Row upon row of pink marble look (×) /looks (✓) beautiful.
- He was reading pages after pages of the book.

Correct – page after page

- Trees after trees was (✓)/ were (✗) being cut.

**Rule 9** – Some nouns like → Deer, sheep, series, fish, crew, team, jury, aircraft, consent etc.

Take the same form both in singular and plural.

**Ex.**

- This cricket team is best for T-20 matches.
- The crew is large.
- All the crew were saved.
- One sheep is grazing.
- Two sheep are grazing.

**Rule 10** – If a numeral adjective and a fraction are used with a noun, the noun is used with the numeral and the noun will be in singular form.

**Ex.**

- She gives me one (Numeral Adj.) and a half (Fraction) rupee. (Noun) (✗)  
She gave me one rupee and a half. (✓)
- He gave me two and a quarter rupee. (✗)  
He gave me two rupees and a quarter. (✓)
- If the numeral adjective and the fraction refer the multiplication the noun be placed in the end (after the fraction) and it must be plural.

**Ex.**

- Your deposits have grown two and a half times within two years.
- My salary has increased three and a quarter time within three years.

**Rule 11** – In case of a very young child, insect or other small creature we use neuter gender.

**Ex.**

- The baby wants his bottle. (its)
- The child has his bottle. (its)

**Rule 12** – When a neuter gender, noun is personified we use masculine gender to objects remarkable for their strength.

**Ex.**

- Sun, time, death, winter etc.

Sometimes it is treated as Feminine. Feminine gender to objects remarkable for their beauty and gratefulness etc.

**Ex.**

- Earth, moon, nature etc.

**Ex.**

- The sun was shining on the sea, shining with all his might.

The sun इसलिए his का use रही है। अगर her का use होता है तो वो गलत होता

- Mother Earth (Feminine)

**Rule 13** – Don't say "family members / cousin brother" or "cousin sister" but say →

- The members of the family. (✓)
- He or she is my cousin. (✓)
- He is my English teacher. (✓)
- He is my teacher of English. (✗)
- He is my mathematics teacher. (✗)
- He is my teacher of math's. (✓)

### Grammar Rules for Possessive Nouns

**Rule 1** – Making singular nouns possessive – Add an apostrophe+'s'

To most singular nouns and to plural nouns that don't end in 's'.

#### Ex.

- Singular noun – Kitten's toy, Joe's car, James's book/ James's
- Plural not ending – Women's dresses, sheep's pasture in 's'.

**Rule 2** – Making plural nouns possessive –

Add just an apostrophe to plural nouns that already end in 's'.

#### Ex.

- The companies' workers went on strike together.

- You need to clean out the horse's stalls.
- The two countries' armies amassed on the border.

**Rule 3** – Making hyphenated nouns and compound nouns plural –

#### Ex.

- My mother-in-law's recipe for meatloaf is my husband's favorite.
- The United States post office's stamps are available in rolls or pockets.

**Rule 4** – Possessives: Joint or separate ownership –

#### Ex.

- The administrative assistant completed Arvind's and Rohit's report. (✗)
- The administrative assistant completed Arvind and Rohit's report. (✓)

We are planning to attend Sam and Teresa's retirement party.

(One party is being held to celebrate both people's retirement, so the party "belongs" so to speak to them jointly.)

We are planning to attend the party honoring Sam's and Teresa's outstanding sales records.

(Each of them possesses a separate, individual sales record; the records are not jointly owned.)

Possessivity – Ownership

- We use 's with living things –
  - Mohit's Car
  - Priya's watch
  - The bag of Mohan
- We don't use 's with – Non living thing
  - Table's leg (✗)
  - Leg of the Table (✓)
- Exception –
  - Needle's point
  - Blade's/ Razor's edge
  - Hair's breadth

**Ex.**

- The Salesman said that, "This blade's edge is sharper than any other blade".  
(No error)
- Table's legs were broken. (✗)  
Legs of the table were broken. (✓)

**Rule 5** – When two nouns are in apposition, the possessive sign ('s) is added to the latter only; as,

**Ex.**

I am going to Ram Lal's, my friend's village.  
(Incorrect)

I am going to Ram Lal, my friend's village.  
(Correct)

**Rule 6** – Possessive sign ('s) is also used in the following structures –

**Ex.**

- With the names of dignified objects –  
Heaven's will – Earth's gravity  
Country's call – Sun's ray's
- With the name of personified objects –  
Duty's call – Death's doctor  
Fortune's favour – Nature's law
- With the noun indicating time, weight, distance, value pace etc.
  - An hour's journey – Ten pound's weight
  - A needle's point-Three lakh's worth
- Possessive sign ('s) is also used after initials-  
The CM's Secretary  
The PM's Security guard  
The VIP's escort

**Rule 7** – The double possessive should not be used –

**Ex.**

- Ram's sister's marriage is on 2<sup>nd</sup> November. (✗)  
The marriage of Ram's sister on 2<sup>nd</sup> Nov. (✓)
- The President's brother's wife died yesterday. (✗)  
The wife of President's brother died yesterday. (✓)

**Rule 8** – Possessive sign is also used with the following pronouns –

Anyone	Anybody	Nobody
Somebody	No one	Each other
Everyone	Everybody	
One another	Someone	

**Ex.**

- The student should follow the suggestions of their teacher and not somebody else.

Correct – Somebody else's

**Rule 9** – When the two nouns are used after one of the possession or ownership is not shown by possessive sign ('s) but it is shown by preposition of –

**Ex.**

- One of my friend's wives was killed in an accident. (✘)

The wife of one of my friends was killed in an accident. (✓)

I saw the reception of president in Jaipur. (✓)

## Pronoun

A pronoun is a word that is used in place of Noun in order to avoid repetition of a noun in a sentence making language stylistic.

### Type of pronoun

1. **Personal Pronoun** - It refers to persons I, me, we, us, you, he, she, they etc.

#### Ex.

- I am a boy.
- They are boys.

2. **Demonstrative Pronoun** – It points out object. (This, that, these, those etc.)

#### Ex.

- This is a cow.
- That is your house.

3. **Relative Pronoun** – It is related to Who, whom, whose, which that etc.

#### Ex.

- She is the girl who met me yesterday.

4. **Interrogative Pronoun** – It is used for asking questions – who, whom, whose, which etc.

#### Ex.

- Who asked you this question?

5. **Indefinite Pronoun** – It is used for general meaning

(Everybody, somebody, nobody, someone, no one, anyone, everything, all, some, any etc.)

#### Ex.

- Somebody has come to meet you.
- I want some water.

6. **Reflexive Pronoun** – It is used to emphasize myself, ourselves, himself, themselves, yourself.

#### Ex.

- I cook myself.
- You do your homework yourselves.

7. **Distributive Pronoun** – It refers to one at a time.

(None, any, no one, either, neither, each)

#### Ex.

- None has come to meet you.
- Neither of the two boys has come.

8. **Reciprocal Pronoun** – It is used for natural relationship (Each other, One another)

#### Ex.

- We respect each other.
- They love one another.

9. **Possessive Pronoun** – Pronoun that show possessions.

(Mine, ours, yours, his, hers, theirs.)

#### Ex.

- Save your time and mine too.